(ii) वचन

किसी शब्द के जिस रूप से उस की संख्या (एक या अनेक) को बोध होता है, उसे वचन कहते हैं। संज्ञा शब्दों के आधार पर विशेषण, सर्वनाम और क्रिया के वचन बदलते हैं।

वचन दो प्रकार के हैं (i) एकवचन (ii) बहुवचन

(i) एकवचन - जिस संज्ञा शब्द से एक प्राणी या एक वस्तु का बोध होता है, उसे एकवचन कहते हैं; जैसे – घोड़ा, पुत्र, पुस्तक, माला

(ii) बहुवचन - जिस संज्ञा शब्द से एक से अधिक प्राणियों या वस्तुओं का बोध होता है उसे बहुवचन कहते हैं; जैसे – घोड़े, पुत्र, पुस्तकें, मालाएँ।

प्रत्येक संज्ञा के तीन-तीन रूप उपलब्ध होते हैं –

(क) मूल रूप (परसर्ग रहित); जैसे – लड़का, बालिका आदि

(ख) परसर्गयुक्त रूप; जैसे – लड़के को, बालिकाओं का आदि

(ग) सम्बोधन रूप; जैसे – हे लोगो, अरी बहनो आदि

शब्दान्त मात्रा की दृष्टि से पुंलिंग शब्दों के बहुवचन में दो वर्ग पाये जाते हैं –

(i) आकारांत शब्द ('लड़का' वर्ग) (पुंलिंग आकारन्त)

(ii) अन्यमात्रा के शब्द ('बालक' वर्ग) (पुंलिंग अन्य सभी मात्रान्त)

स्त्रीलिंग बहुवचन में भी दो वर्ग पाये जाते हैं –

(i) इ/ ई कारान्त तथा 'या' में अंत होने वाले शब्द (लड़की वर्ग)

(ii) अन्य मात्रा के शब्द (बालिका वर्ग)

वचन परिवर्त्तन के नियम

नियम- १ (लड़का वर्ग)

परसर्ग रहित संज्ञा रूप

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
लड़का	लड़के	घोड़ा	घोड़े
बच्चा	बच्चे	पंखा	पंखे

बकरा बकरे कमरा कमरे

(देखिए - एकवचन की 'आ' मात्रा बहुवचन में 'ए' हो जाती है)

अभिनेता, कर्त्ता, दाता, देवता, पिता, योद्धा, राजा, विक्रेता, सखा, काका, जीजा, दादा, नाना, पापा, फूफा, मामा, अब्बा, अड्डा आदि शब्द दोनों वचनों मे समान रहते हैं ।

परसर्ग सहित संज्ञा रूप

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
लड़के ने	लड़कों ने	घोड़े का	घोड़ों का
बच्चे की	बच्चों की	पंखे में	पंखों में
बकरे से	बकरों से	कमरे के लिए	कमरों के लिए

यहाँ एकवचन में 'ए' और बहुवचन में 'ओं लगाने के बाद परसर्ग जुड़ता है। जैसे - लड़का + ए + ने = लड़के ने

घोड़ा + ओं + से = घोड़ों से आदि

सम्बोधन रूप

एकवचन	बहुवचन
लड़के !	लड़को !
बच्चे !	बच्चो !
लड़की !	लड़कियो ! (यहाँ 'ए' जोड़कर संबोधन रूप बनाया जाता है।)

नियम - २ (बालक वर्ग)

परसर्ग रहित संज्ञा रूप

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
बालक	बालक	गुरु	गुरु
घर	घर	भालू	भालू
मुनि	मुनि	रेडियो	रेडियो
हाथी	हाथी	फोटो	फोटो

(यहाँ एकवचन और बहुवचन किसी में कोई परिवर्त्तन नहीं होता) ।

याद रखिए कि पुंलिग आकारान्त शब्द एकारान्त होते हैं । अन्य स्वरान्त शब्दों में कोई परिवर्त्तन नहीं होता ।

परसर्ग सहित संज्ञा रूप

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
बालक ने	बालकों ने	गुरु ने	गुरुओं ने
घर का	घरों का	भालू को	भालुओं को
मुनि से	मुनियों से	रेडियो पर	रेडियों पर
हाथी पर	हाथियों पर	फोटो में	फोटों में

(यहाँ बहुवचन में इ/ई मात्रा 'यों' में और अन्य मात्राएँ 'ओं' में बदल जाती हैं। शब्दांत दीर्घमात्रा ह्रस्वमात्रा हो जाती है)

सम्बोधन रूप

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
बालक	बालको	साथी	साथियो
मित्र	मित्रो	गुरु	गुरुओ

(यहाँ एक वचन में कोई परिवर्तन नहीं होता। बहुवचन में इ/ई मात्रान्त शब्दों के साथ 'यो' जुड़ता है। अन्य मात्रांत शब्दों में 'ओ' जुड़ता है। सभा में संबोधित करते समय सज्जनो और देवियो ! कहिए। सज्जनों और देवियों नहीं ।

नियम ३ (लड़की वर्ग)

परसर्ग रहित संज्ञा रूप

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
लड़की	लड़कियाँ	नदी	नदियाँ
जाति	जातियाँ	तिथि	तिथियाँ
बुढ़िया	बुढ़ियाँ	खटिया	खटियाँ
गुड़िया	गुड़ियाँ	स्त्री	स्त्रियाँ

(बहुवचन में इ/ई/या का **याँ** हो जाता है और शब्दान्त दीर्घ मात्रा ह्रस्व मात्रा हो जाती है)

परसर्ग सहित संज्ञा रूप

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
लड़की ने	लड़कियों ने	नदी को	नदियों को
जाति से	जातियों से	तिथि में	तिथियों में
बुढ़िया का	बुढ़ियों का	खटिया पर	खटियों पर
गुड़िया के लिए	गुड़ियों के लिए	स्त्री का	स्त्रियों का

(बहुवचन में इ/ई/या का 'यों' हो जाता है और शब्दान्त दीर्घ मात्रा ह्रस्व मात्रा हो जाती है)

सम्बोधन रूप

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
लड़की	लड़कियो	देवी	देवियो
बुढ़िया	बुढ़ियो	नदी	नदियो

(यहाँ एकवचन में कोई परिवर्तन नहीं होता। बहुवचन में 'यो' जुड़ता है। यों नहीं। शब्दांत दीर्घमात्रा ह्रस्व हो जाती है)

नियम ४ (बालिका वर्ग)

परसर्ग रहित संज्ञा रूप

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
बालिका	बालिकाएँ	माला	मालाएँ
रात	रातें	बात	बातें
वस्तु	वस्तुएँ	बहू	बहुएँ
झाड़ू	झाड़ुएँ	गौ	गौएँ

(यहाँ एकवचन में कोई परिवर्त्तन नहीं होता। बहुवचन में 'एँ' जुड़ता है। शब्दांत की दीर्घमात्रा ह्रस्व हो जाती है।)

ध्यान दीजिए कि स्त्रीलिंग शब्दों के बहुवचन में ये परिवर्त्तन होते हैं –

१. अकारान्त - बात, लात, तस्वीर, उम्मीद, चाल, आदि के साथ - एँ (ें) लगता है।

२. इ/ ई - नदी, तिथि, नाली, मिठाई, आदि शब्दों में याँ जुड़ता है।
३. आ/उ/ऊ / औ - नायिका, नासिका, लता, ऋतु, धेनु, झाड़ू, गौ आदि शब्दों के साथ एँ लगता है।

परसर्ग सहित संज्ञा रूप

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
वालिका ने	बालिकाओं ने	माता को	माताओं को
रात में	रातों में	बात के लिए	बातों के लिए
वस्तु में	वस्तुओं में	बहू का	बहुओं का
झाड़ू से	झाड़ुओं से	गौ पर	गौओं पर

(यहाँ एकवचन में कोई परिवर्त्तन नहीं होता। बहुवचन में 'ओं' जुड़ता है। शब्दांत दीर्घ मात्रा ह्रस्व हो जाती है।)

सम्बोधन रूप

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
बालिका	बालिकाओ	माता	माताओ
बहू	बहुओ	गौ	गौओ

(यहाँ एकवचन में कोई परिवर्त्तन नही होता। बहुवचन में 'ओ' जुड़ता है। शब्दांत दीर्घमात्रा ह्रस्व हो जाती है।)

अभ्यास

१. कोष्ठक में दिये गये शब्दों में से उचित शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए–

(i) मेरे पास चार ..... हैं। (किताब, किताबें, किताबों)
(ii) कल मेरे ..... आयेंगे। (चाचा, चाचे, चाचाओं)
(iii) पाँच ..... जा रहे हैं। (बालक, बालकें, बालकों)
(iv) दो ..... आज प्रवचन देंगे। (साधु, साधुएँ, साधुओं)
(v) सभी ..... सभा में बैठी हैं। (अध्यापिका, अध्यापिकाएँ, अध्यापिकाओं)
(vi) मेरी .....बहुत पुरानी है। (घड़ियाँ, घड़ी, घड़ियों)
(vii) मैंने उनकी सभी ..... को मंदिर में देखा। (बहुएँ, बहुओं, बहू)

(viii) माँ के पास दो ..... हैं। (माला, मालाएँ, मालाओं)

(ix) दो..... को ताक पर रख दो। (झाड़ू, झाड़ुएँ, झाड़ुओं)

(x) हम ..... की सुरक्षा करें। (गौ, गौओ, गौएँ)

२. कोष्ठक में से सही शब्द चुनकर नीचे लिखे वाक्यों के खाली स्थानों को भरिए –

(i) अब ..... के पास समय नहीं है। (नेता, नेताएँ, नेताओ)

(ii) ..... को दो-दो भाषाएँ मालूम हैं। (बच्चे, बच्चों, बच्चा)

(iii) सभी..... को बाड़े के अन्दर ले आओ (गौ, गौओं, गौएँ)

(iv) ..... ! तुमलोग खुश रहो। (बहू, बहुओं, बहुओ)

(v) हे .....! वहाँ क्या करते हो। (बच्चा, बच्चे, बच्चों)

(vi) कालापाहाड़ ने मंदिर की सारी .....को तोड़ दिया था। (मूर्त्ति, मूर्त्तियाँ, मूर्त्तियों)

(vii) तुमने अच्छी-अच्छी ..... को छाँट लिया है (तस्वीर, तस्वीरों, तस्वीरें)

(viii) मेरे ..... पर हाथ रखो। (कंधा, कंधे, कंधों)

(ix) ..... को पानी में डूबो देना। (तौलिया, तौलियो, तौलियों)

(x) सभी ..... को बैठने के लिए आसन दो। (अतिथि, अतिथियों, अतिथिओं)

३. निम्नलिखित वाक्यों के वचन बदलिए –

(ध्यान रखिए कि सभी पदों के वचन बदल जायँ।)

(i) यह एक आदमी का काम है।

(ii) मुर्गी अण्डा देती है।

(iii) कुर्सी टूट गयी।

(iv) हे साधु! मुझे आशीर्वाद दीजिए।

(v) गाय दूध देती है।

(vi) मेरा पुत्र पढ़ रहा है।

(vii) चार देशों के प्रधानमंत्री दिल्ली में पहुँच गये हैं।

(viii) एक केले का छिलका उतार दो।

(ix) ये सभी हाथी मेरे साथी हैं।

(x) उसके एक मामा अमेरिका में रह रहे हैं।

४. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए

(i) मेला में सर्कस लगा है।

(ii) वर्षा ऋतु में सभी नदी में बाढ़ आती है।

(iii) लड़कियाँ में धैर्य होता है।

(iv) रेडिओं के दाम बढ़ गये हैं।

(v) क्यारियाँ में पानी दे दो।

(vi) धूप में सभी पौधा के पतों झड़ गये हैं।

(vii) तीनों पंखों नहीं चल रहे हैं।

(viii) आजकल अंग्रेजी माध्यम पाठशाला धड़ाधड़ खुल रहे हैं।

(ix) सारी वस्तु को संभालकर रखो।

(x) चिड़िया के घोंसला में दो अण्डा हैं।

५. निम्न वाक्यों में से सही वाक्य के लिए (✓) चिह्न और गलत वाक्य के लिए (✗) चिह्न लगाइए।

(i) ये पक्षी सफेद हैं।

(ii) ये चाभी नयी हैं।

(iii) मेरे सभी साथी खेल रहे हैं ।

(iv) अतिथियों का आदर करो।

(v) दातों का कल्याण हो।

(vi) हे लड़कियों! कहाँ जा रही हो?

(vii) घर के दरवाजा खुले हैं।

(viii) कुश और लव दो भाइयाँ थे।

(ix) दो भालुएँ नाच रहे हैं।

(x) तीन आमों सड़ गये हैं।

६. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए :

बात, छुट्टी, तलवार, बेटी, भिक्षु, दीवार, गिलहरी, कीड़ा, रेखा, बिछू, चिड़िया, आदमी, भालू, भैंस, बकरा, बच्चा, चींटी, चूहा, भेड़, मोर, कौवा, जाति, भाषा, झाड़ू, भालू, लट्टू, औरत, स्त्री, तारा, गाड़ी

(आपको याद है न कि पुंलिग आकारान्त शब्दों का एकारान्त में परिवर्त्तन होता है। अन्य पुंलिंग शब्दों में कोई परिवर्त्तन नहीं होता !)

सभी स्त्रीलिंग शब्दों का परिवर्तन होता है।